Roll no. | | | | | | | | 2 | 0 | 2 | 3 |

S. No. : 3082

Name of Course : B A Programme Hindi- CBCS

Semester : II

Name of the Paper : Hindi A

(33)

Unique Paper Code : 62051202

Duration : 3 Hours **Maximum marks : 75**

LIBRARY

आवश्यक निर्देश -

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10 x 3 = 30)

(क)

कबीर इस संसार को, समझाऊँ कै बार।
पूँछ जु पकड़ै भेड़ की, उतर्‌या चाहै पार॥
करता था तो क्यूँ रह्या, अब करि क्यूँ पछताइ।
बोवै पेड़ बबूल का,अम्ब कहाँ तैं खाइ॥

अथवा

साजि चतुरंग सैन अंग में उमंग धरि
सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत है
भूषण भनत नाद विहद नगारन के
नदीनद मद गैबरन के रलत है-
ऐलफैल खलक में गैल गैल-फैल खैल-
गजन की ठैल पैल–सैल उसलत है
तारा सो तरनि धूरिधारा में लगत जिमि-
थारा पर पारा पारावार यों हलत है

(ख)

मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाईं परे, स्यामु हरित-दुति होई॥
फिरि फिरि चितु उत हीं रहतु, टूटी लाज की लाव।
अंग-अंग छबि झौंर में, भयौ भौंर की नाव॥

अथवा

हिमाद्रि तुंग शृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती
स्वयं प्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती

'अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़- प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।'

(ग)

कहाँ गया धनपति कुबेर वह? कहाँ गयी उसकी वह अलका?
नहीं ठिकाना कालिदास के, व्योमप्रवाही गंगाजल का-,
ढूँढा बहुत परन्तु लगा क्या, मेघदूत का पता कहीं पर,
कौन बताए वह छायामय, बरस पड़ा होगा न यहीं पर,
जाने दो, वह कविकल्पित था-।

अथवा

अद्वितीय हर एक है मनुष्य
औउसका अधिकार अद्वितीय होने का '
छीनकर जो ख़ुद को अद्वितीय कहते हैं
उनकी रचनाएँ हों या उनके हों विचार
पीड़ा के एक रसभीने अवलेह में लपेटकर
परसे जाते हैं तो उसे कला कहते हैं !

2. राजभाषा से आप क्या समझते हैं? राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति पर विचार कीजिए। (10)

   अथवा

   आदिकाल की प्रवृतियों का सामान्य परिचय दीजिए।

3. कबीर जितने बड़े कवि हैं उतने ही बड़े समाज सुधारक भी। इस कथन की परीक्षा कीजिए। (10)

   अथवा

   भूषण की कविता में राष्ट्रीय चेतना बताइए।

4. नागार्जुन की कविता में प्रकृति सौंदर्य का चित्रण कीजिए। (10)

   अथवा

   रघुवीर सहाय की कविता 'कला क्या है' का भाव सौन्दर्य बताइए।

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : (5x3 = 15)

   (क) संपर्क भाषा
   (ख) भक्तिकाल के प्रमुख कवि
   (ख) रीतिमुक्त कवि
   (ग) आधुनिक काल का नामकरण
   (घ) जयशंकर प्रसाद का महत्त्व
   (ड) छायावाद
   (च) हिन्दी कहानी

[This question paper contains 4 printed pages.]

(34) **Your Roll No.**..............

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19
2023

E

Sr. No. of Question Paper : 3438

Unique Paper Code : 62051201

Name of the Paper : हिन्दी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)

Name of the Course : **B.A. (P) HINDI – CBCS**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10+10=20)

(क) नीच गुडी ज्यो जानिबो, सुनि लखि तुलसीदास।

दीलि दिये गिरि परत महि, खैंचत चढत आकास।।

सारदूल को स्वांग कर, कूकर की करतूति ।

तुलसी तापर चाहिए कीरति विजय विभूति ।।

(ख) नहिं परागु नहिं मधुर मधु, नहिं बिकास इहि काल ।

अली, कली ही सौं बँध्यों, आगे कौन हवाल ।।

अंग-अंग नग जगमगत दीपसिखा सी देह ।

दिया बढ़ाएँ हूँ रहे बड़ौ उज्यारों गेह ।।

(ग) अम्बर पनघट में डुबो रही

तारा-घट ऊषा नागरी!

खग-कुल कुल-कुल-सा बोल रहा

किसलय का अंचल डोल रहा

लो यह लतिका भी भर लाई-

मधु मुकुल नवल रस गागरी

2. कबीर के राम का स्वरूप स्पष्ट कीजिए । (15)

अथवा

वात्सल्य की दृष्टि से सूरदास के काव्य का मूल्यांकन कीजिए ।

3. बिहार की काव्य भाषा का विवेचन कीजिए । (15)

अथवा

घनानंद की प्रेम व्यंजना को स्पष्ट कीजिए ।

4. नागार्जुन यथार्थ चेतना के कवि हैं। इस कथन का विश्लेषण कीजिए । (15)

अथवा

गीत फरोश कविता का प्रतिपाद्य लिखिए ।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (5 + 5 = 10)

(क) कबीरदास

(ख) तुलसीदास

(ग) मैथिलीशरण गुप्त

(घ) जयशंकर प्रसाद